



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)  
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 177]

नई दिल्ली, बुधस्वतिवार, अप्रैल 19, 2012/चैत्र 30, 1934

No. 177]

NEW DELHI, THURSDAY, APRIL 19, 2012/CHAITRA 30, 1934

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 19 अप्रैल, 2012

सं. 24/2012-के.उ.शु. (गै.टै.)

सा.का.नि. 308(अ).—केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अधिनियम, 1944 (1944 का 1) की धारा 5 ख के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्र सरकार, एतद्वारा, आदेश देती है कि जहां कि किसी निर्धारिती ने केन्द्रीय उत्पाद शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1985(1986 का 1) की प्रथम अनुसूची के शीर्ष 7607 के अंतर्गत आने वाले एल्यूमीनियम फ्वायल्स के कटिंग, स्लिटिंग और प्रिन्टिंग की प्रक्रिया पर उत्पाद शुल्क का भुगतान कर दिया है, सेनवेट क्रेडिट ली गई है और उसका प्रयोग किया गया है, उक्त अंतिम उत्पादों के विनिर्माण में प्रयोग किये गये आदानों, पूंजीगत माल और आदान सेवाओं पर शुल्क, कर या उपकर का भुगतान किया गया है, के लिये यह जरूरी नहीं है कि वह सेनवेट क्रेडिट को वापस करे चाहे एल्यूमीनियम फ्वायल्स की कटिंग, स्लिटिंग और प्रिंटिंग की प्रक्रिया को केन्द्रीय उत्पाद शुल्क एवं सेवा कर अपीलीय प्राधिकरण ने मेसर्स प्रिटो इंडिया ग्राफिक्स (प्रा.) लि. बनाम सी सी ई दिल्ली के वाद में की गई अपील सं. 3186/2010 के अपने आदेश में विनिर्माण नहीं माना है और उच्चतम न्यायालय ने 2011 की सिविल अपील सं. 8533 में इसकी अभिपुष्टि कर दी है, बशर्ते कि

(क) वापस नहीं किये जाने की अनुमति केवल ऐसे सेनवेट क्रेडिट के लिए होगी जो 15 मार्च, 2012 तक ली गई हो।

- (ख) उक्त वापसी नहीं करने की अनुमति तभी होगी जब उक्त अंतिम उत्पाद को हटाए जाने पर उत्पाद शुल्क का भुगतान किया गया हो।
- (ग) उक्त निर्धारिती उक्त अंतिम उत्पाद पर उसके द्वारा भुगतान किए गए उत्पाद शुल्क के प्रतिदाय का दावा नहीं करेगा।

बशर्ते कि 15 मार्च, 2012 तक तैयार और क्लियर किए गए उक्त अंतिम उत्पाद पर उक्त निर्धारिती द्वारा उत्पाद शुल्क का भुगतान कर दिए जाने पर उक्त अंतिम उत्पाद के क्रेता द्वारा सेनवैट क्रेडिट, यदि कोई लिया गया हो, को वापस करना अपेक्षित नहीं होगा।

[फा. सं. 4/2/2012-सी एक्स-1/भाग]

मदन मोहन, अवर सचिव

## MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

### NOTIFICATION

New Delhi, the 19th April, 2012

#### No. 24/2012-Central Excise (Non Tariff)

**G.S.R. 308(E).**—In exercise of the powers conferred by section 5B of the Central Excise Act, 1944 (1 of 1944), the Central Government hereby orders that where an assessee has paid duty of excise on the process of cutting, slitting and printing of aluminium foils (hereinafter referred to as final product), falling under heading 7607 of the First Schedule to the Central Excise Tariff Act, 1985 (5 of 1986), the CENVAT credit taken or utilised, of the duty or tax or cess paid on inputs, capital goods and input services used in the making of the said final product, shall not be required to be reversed, notwithstanding that the process of cutting, slitting and printing of aluminium foils have been held as not amounting to manufacture by the Central Excise and Service Tax Appellate Tribunal by its order in Appeal No. 3181 of 2010 in the case of M/s Printo India Graphics (P) Ltd. Vs CCE, Delhi and upheld by the Supreme Court in Civil Appeal No. 8533 of 2011, subject to the following conditions, namely:-

- (a) the said non-reversal shall be allowed only for the CENVAT credit taken upto the 15<sup>th</sup> of March, 2012.
- (b) the said non-reversal shall be allowed only when excise duty has been paid on removal of the said final product.
- (c) the said assessee shall not prefer a claim of refund of the excise duty paid by him on the said final product:

Provided that the CENVAT credit, if any, taken by the buyer of the said final product, of the excise duty paid by the said assessee on the said final product made and cleared up to the 15<sup>th</sup> March, 2012 shall not be required to be reversed.

[F. No. 4/2/2012-CX.1/Pt.]

MADAN MOHAN, Under Secy.